देश की आध्यात्मिक शक्ति के केंद्र यूपी के धर्म स्थल : मुर्मु

ओडीओपी उत्पादों से राष्ट्रपति का अभिनंदन प्रभु श्रीराम से लेकर अटल को किया याद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि यूपी के धर्म स्थल देश की आध्यात्मिक शक्ति के केंद्र हैं। काशी, अयोध्या, मथुरा, सारनाथ, गोरखपुर व मगहर जैसे पवित्र धार्मिक स्थलों का स्मरण करते हुए उन्होंने प्रदेश वासियों से अपील की कि उत्तर प्रदेश में बहने वाली नदियों की शुद्धता और पवित्रता को बनाए रखें। लोकभवन के सभागार में अपने अभिनंदन समारोह में मुर्मु ने प्रदेश में महिला सशक्तीकरण व स्वावलंबन के लिए किये जा रहे कार्यों की सराहना भी की।

अभिनंदन समारोह में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति को ओडीओपी के उत्पाद भेंट कर उनका स्वागत किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 करोड़ प्रदेशवासियों की ओर से राष्ट्रपति का अभिनंदन किया। योगी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के लखनऊ में प्रथम आगमन पर हर्ष व्यक्त किया। कहा कि भारतीय लोकतंत्र के लिए ये गौरव की बात है कि आपने जनजातीय समाज के एक सामान्य परिवार में जन्म लेने और आदर्श भारतीय नारी के रूप में भारत गणराज्य के सर्वोच्च पद पर आसीन होकर देश की आधी आबादी के सम्मान को एक नई ऊंचाई दी है। कहा कि मुर्मु पहली राष्ट्रपति हैं, जिनका जन्म भारत की स्वाधीनता के बाद हुआ। संघर्षों से भरा उनका जीवन हम सब के लिए पथ प्रदर्शक और प्रेरणादायी है। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने राष्ट्रपति को विधानभवन की तस्वीर भेंट कर उनका स्वागत किया। कहा कि देश को ऐसी राष्ट्रपति मिली हैं, जो नारी शक्ति का प्रतीक हैं। इससे पूर्व रंगकर्मियों की ओर से राष्ट्रपति को अलीगढ़ की बनी कांस्य की नटराज प्रतिमा भेंट की गई। हस्तशिल्पकारों ने गेहूं से बनी बहराइच की कलाकृति भेंट की। स्वयं सहायता समूह के प्रतिनिधियों ने सीतापुर का दही व बाराबंकी का शहद, कृषकों ने सिद्धार्थनगर का काला नमक चावल व अयोध्या का गुड़, उद्यमियों ने फिरोजाबाद के कांच के उत्पाद भेंट कर राष्ट्रपति का अभिनंदन किया। समारोह में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व केशव प्रसाद मौर्य, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, मंत्री कुंवर मानवेन्द्र सिंह, सुरेश खन्ना व अन्य प्रतिष्ठित लोग मौजूद रहे। अभिनंदन समारोह के उपरांत राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की ओर से राष्ट्रपति मुर्मु के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया गया। जिसमें सीएम योगी समेत अन्य मंत्रीगण व वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति रविवार रात राजभवन में विश्राम करेंगी। वह सोमवार सुबह बुक्सा जनजाति के प्रतिनिधियों से भेंट कर उन्हें प्रमाणपत्र वितरित करेंगी।

राजभवन में रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का अभिवादन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। साथ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल • जागरण

लखनपुर के नाम से जाना जाता था लखनऊ : राष्ट्रपति

लखनऊ का नाम बदलने की बढ़ती मांग के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी अपने संबोधन में इसका जिक्र किया। अभिनंदन समारोह में मुर्मु ने कहा कि लखनऊ का संबंध भगवान श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण से है। लंबे काल तक इसे लखनपुर के नाम से जाना जाता रहा। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी व उनके लखनऊ से जुड़ाव को भी याद किया।

छह वर्ष पूर्व बीमारू राज्य था यूपी : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि छह वर्ष पूर्व यूपी बीमारू राज्य होने का दंश झेलता था। आज वैश्विक व्यावसायिक समुदाय 25 सेक्टर की आकर्षक नीतियों में निवेश के लिए तत्पर हुआ है।

योगी ने निवेशकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं व नीतियों का भी जिक्र किया। भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार के मंत्रियों व अधिकारियों की टीम निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारेंगे। नए भारत के विकसित उप्र और देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। देश के किसी भी राज्य की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य लेकर यूपी को एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था का प्रदेश बनाया जाएगा। हर जिले के विशिष्ट उत्पाद, परंपरागत उद्यम को ओडीओपी से जोड़कर उनके उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई गई है। समापन समारोह को औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने भी संबोधित किया।

राष्ट्रपति का स्वागत कर उद्यमियों का जताया आभार : योगी ने समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का स्वागत करने के साथ ही देश-दुनिया से आए निवेशिकों, उद्यमियों, औद्योगिक घरानों के प्रतिनिधियों, विदेश से आए राजनयिकों का समिट में भागीदारों के लिए आभार जताया। उन्होंने समिट में आए राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, स्मृति इरानी, अश्वनी वैष्णव, राजीव चंद्रशेखर, ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत अन्य केंद्रीय मंत्रियों के प्रति भी आभार जताया। कहा कि समिट में दस देशों ने पार्टनर कंट्री के रूप में प्रतिभाग किया। डेनमार्क, यूएई व यूके के मंत्रियों, नौ देशों के उच्चायुक्तों, देश के सभी प्रमुख उद्योगपतियों व 40 देशों के प्रतिनिधियों ने भी समिट में भागीदारी की।

उप्र की विकास यात्रा के नए अध्याय का आरंभ : नंदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने यूपीजीआइएस-23 को उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा के नए अध्याय का आरंभ बताया है। रविवार को जीआइएस के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का स्वागत और अभिनंदन करते हुए नंदी ने कहा कि जीआइएस-23 ने उप्र के औद्योगिक विकास एवं आर्थिक समृद्धि को नई रफ्तार प्रदान की है, जो प्रदेश के वन ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था के सपने को साकार करेगा।

मंत्री नंदी ने कहा कि प्रदेश की इंडस्ट्री, इन्फ्रास्ट्रक्चर और इकोनामी के लिए यह तीन दिन बहुत महत्वपूर्ण रहे हैं। प्रारंभिक लक्ष्य से लगभग तीन गुणा से अधिक निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए, जो इस समिट की ऐतिहासिक सफलता का प्रमाण है। पिछले छह वर्षों के दौरान प्रदेश की तकदीर और तस्वीर दोनों बदली है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जहां एक ओर प्रदेश की आध्यात्मिक धरोहरों को सजाया व संवारा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नए पंख और नई उड़ान मिली है। यूपी 21 एयरपोर्ट के साथ 16 डोमेस्टिक एयरपोर्ट और पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला देश का पहला राज्य होने का सौभाग्य प्राप्त होने जा रहा है। देश के कुल एक्सप्रेसवे में हमारी हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है। देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य होने के कारण हमारे पास पर्याप्त मात्रा में मानव संसाधन एवं खपत के लिए बड़ा बाजार उपलब्ध है।